BA-3, Paper-7.
Topic - Political Culture
Date - 29.07.2020
Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.), RMC, VKSU.

राजनीतिक संस्कृति (Political Culture)

रा० सं० का अर्थ है किसी समाज की संस्कृति के वे पक्ष जो उसकी राजनीति को प्रभावित करते हैं। संस्कृति की संकल्पना बहुत व्यापक है। रा० सं० में मुख्यतः ऐसे मूल्य, मान्यताओं, और मानक आ जाते हैं जो शासक वर्ग, शासन प्रणाली और शासन प्रक्रिया को वैधता प्रदान करते हैं और इनके संदर्भ में व्यक्ति की स्थिति को निर्धारित करते हैं।

समकालीन तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के लिए जिन नई-नई संकल्पनाओं का अविष्कार किया गया है, उनमें राजनीतिक संस्कृति का विशेष महत्व है। यह संकल्पना किसी समाज की राजनीति और संस्कृति के परस्पर संबंध को आधार बनाकर उस समाज के अध्ययन में सहायता देती है। यह संकल्पना मुख्यतः राजनीति के अध्ययन और विश्लेषण के लिए प्रस्तुत की गई है संस्कृति के विश्लेषण के लिए नहीं। किसी समुदाय की संस्कृति को जानकर वहां की राजनीति को समझना सुगम हो जाता है।

अलेक्सी द तकवील (डेमोक्रेसी अन अमेरिका), मैक्स वेबर, टालकट पार्सन्स (The Social System) में संस्कृति और राजनीतिक संस्थाओं के आपसी संबंध का अध्ययन किया। अमेरीकी राजनीतिक वैज्ञानिक गेब्रियल आमंड (1911-2002), ने संस्कृति की संकल्पना के अंतर्गत एक उपसंस्कृति की तलाश की जिसका सीधा संबंध राजनीतिक उप प्रणाली से थी। आमंड ने 1956 के 'जर्नल ऑफ पालिटिक्स' में प्रकाशित अपने लेख 'कंपरेटिव पालिटिकल सिस्टम' के अंतर्गत राजनीतिक उप प्रणाली और उससे जुड़ी उपसंस्कृति का स्वतंत्र अध्ययन का विषय बनाया और इन्हें क्रमशः राजनीतिक प्रणाली तथा राजनीतिक संस्कृति का नाम दिया। 'राजनीतिक संस्कृति' की संकल्पना का श्रेय गेब्रियल आमंड को दिया जाता है।

राजनीतिक संस्कृति उन प्रतीकों की व्यवस्थित प्रणाली के अध्ययन और विश्लेषण का साधन है जो मनुष्यों की

Scanned with CamScanner

क्रियाओं और परस्पर क्रियाओं को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राजनीतिक संस्कृति के विविध रूप :-

जी. ए आमंड और सिडनी वर्बा ने तीन प्रकार की राजनीतिक संस्कृति का विवरण दिया है :

i] संकीर्ण संस्कृति - यह ऐसी रा० संस्कृति है जिसके अंतर्गत नागरिकों को अपने समाज की रा० संस्थाओं, प्रक्रियाओं और गतिविधियों में कोई अभिरुचि नहीं होती, या बहुत ही कम होती है। राजनीतिक प्रणाली में परिवर्तन की कोई आशा नहीं की जाती। अतः व्यक्ति अपने समाज के भीतर अपनी किसी राजनीतिक भूमिका की कल्पना नहीं करता।

ii] अधीन संस्कृति - इस रा० संस्कृति के अंतर्गत नागरिक समाज राजनीतिक प्रणाली और उसकी नीतियों, निर्णयों, नियमों और संस्थाओं के प्रति सजग रहते हैं, परंतु वह नहीं जानते कि वे स्वयं उसे संचालित या प्रभावित करने में कोई सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

iii] सहभागी संस्कृति - ऐसी रा० संस्कृति जिसके अंतर्गत नागरिक राजनीतिक गतिविधियों को लेकर काफी सजग रहते हैं नागरिक अपनी राजनीतिक भूमिका निभाते समय प्रखर चेतना और निर्णय बुद्धि का परिचय देते हैं।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उपरोक्त तीनों रा० संस्कृति में से कोई भी अपने शुद्ध रूप में कहीं नहीं पाई जाती है।

नागरिक संस्कृति :- आमंड और वर्बा ने ऐसी रा० संस्कृति को पहचानने का प्रयत्न किया जो उदार लोकतंत्र के संचालन में सबसे उपयुक्त सिद्ध होगी। इसे इन्होंने 'नागरिक संस्कृति' या शालीन संस्कृति की संज्ञा दी है। लोकतंत्र को कायम रखना एक जटिल प्रक्रिया है। नागरिक संस्कृति के अंतर्गत संकीर्ण संस्कृति, अधीन संस्कृति और सहभागी संस्कृति के मिले जुले लक्षण एक विशेष प्रतिमान के अनुरूप पाए जाते हैं। आमंड एवं वर्बा के अनुसार ब्रिटेन तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के रा० संस्कृति नागरिक संस्कृति की शर्तें पूरी करती है, इन देशों में लोकतंत्र की स्थिरता का यही रहस्य है।

Neelu Kulshrestha

Scanned with CamScanner